प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (पूसा संस्थान) का 122वाँ स्थापना दिवस समारोह

1 अप्रैल, 2026 | नई दिल्ली: **भा.कृ.अ.प.- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान** (पूसा संस्थान), नई दिल्ली ने 1 अप्रैल 2026 को अपने 122वें स्थापना दिवस का भव्य आयोजन प्रतिष्ठित डॉ. बी.पी. पाल सभागार में किया। यह कार्यक्रम उत्साह, गरिमा तथा राष्ट्रीय विकास हेतु कृषि विज्ञान को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

यह अवसर कृषि अनुसंधान, शिक्षा एवं प्रसार के क्षेत्र में संस्थान के एक शताब्दी से अधिक समय के अग्रणी योगदान का स्मरण कराने वाला रहा जिसने भारत की खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

स्वागत संबोधन में संस्थान के निदेशक, डॉ. सी. एच. श्रीनिवास राव ने गत वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों एवं पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने "विकसित भारत 2047" के राष्ट्रीय लक्ष्य के अनुरूप संस्थान की रणनीतिक दृष्टि को रेखांकित करते हुए जलवायु-सहिष्णु कृषि, डिजिटल एवं इमर्सिव प्रौद्योगिकियों तथा किसान-केंद्रित नवाचारों पर विशेष बल दिया। उन्होंने यह भी बताया कि संस्थान ने कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में (NIRF 2025) में लगातार तीसरे वर्ष प्रथम स्थान प्राप्त किया, एसडीजी में द्वितीय स्थान, समग्र रूप से 24वाँ तथा अनुसंधान में 29वाँ स्थान प्राप्त किया। साथ ही संस्थान को NAEAB (2025-2030) से A+ ग्रेड (3.64/4.00) प्राप्त हुआ तथा QS विश्व रैंकिंग 2026 (151-200 श्रेणी) में स्थान प्राप्त किया।

दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहीं जिन्होंने कृषि स्थिरता एवं किसानों की आजीविका सुदृढ़ करने में संस्थान के योगदान की सराहना की। उन्होंने "ग्रीन दिल्ली" के निर्माण एवं जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। साथ ही, उन्होंने वैज्ञानिक योगदानों एवं जन-जागरूकता के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य सुधारने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने किसानों के हित में संस्थान की भूमिका को रेखांकित करते हुए विकसित भारत के निर्माण में इसके योगदान की सराहना की तथा खाद्य आत्मनिर्भरता के संदर्भ में स्व. लाल बहादुर शास्त्री के विचारों का उल्लेख किया।

दिल्ली सरकार के माननीय मंत्री श्री रविंदर सिंह (इंद्राज) ने भी संस्थान को स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए "ग्रीन दिल्ली" के निर्माण हेतु सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया तथा इस दिशा में संस्थान के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम में डॉ. एम. एल. जाट सचिव, डेयर (DARE) एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में दिल्ली सरकार एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के बीच सहयोग को सुदृढ़ करने पर बल दिया, जिससे शहरी एवं अर्ध-शहरी कृषि संबंधी चुनौतियों का समाधान किया जा सके। उन्होंने अपशिष्ट को उर्वरक में परिवर्तित करने जैसी नवाचारपूर्ण तकनीकों का उल्लेख किया जो सतत कृषि एवं अपशिष्ट प्रबंधन में सहायक हैं। उन्होंने मानव संसाधन विकास के महत्व को रेखांकित करते हुए "भोजन ही औषधि है" पर विशेष बल दिया।

डॉ. जाट ने किसानों के लिए जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता पर भी बल दिया तथा सलाह दी कि यदि गेहूँ की फसल में डीएपी उर्वरक का प्रयोग हो चुका है, तो उन्हें धान की फसल में इसके अनावश्यक

उपयोग से बचना चाहिए। उन्होंने बताया कि ऐसी वैज्ञानिक जानकारी से किसानों के खर्च में कमी आएगी और पोषक तत्वों के उपयोग की दक्षता बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री ने पूसा संस्थान द्वारा विकसित तकनीकों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा समारोह के दौरान “खाद्यान्न, पोषण एवं आजीविका सुरक्षा हेतु फसलों की उन्नत किस्में” तथा “प्रिसिशन फ्लोरिकल्चर एवं लैंडस्केप डिजाइन” नामक पुस्तकों का विमोचन भी किया।

इस अवसर पर वर्ष 2025-26 के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों, तकनीकी, प्रशासनिक एवं वित्तीय कर्मियों तथा मीडिया प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का समापन डॉ. आर. एन. पडारिया द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सभी अतिथियों, आयोजकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस समारोह में भा.कृ.अ.अनु.सं. के पूर्व निदेशकगण सहित अन्य गणमान्य अतिथि, कर्मचारी एवं छात्र भी उपस्थित रहे।

भा.कृ.अ.अनु.सं. का 122वाँ स्थापना दिवस समारोह संस्थान की गौरवशाली विरासत का प्रतीक रहा तथा वैज्ञानिक उत्कृष्टता, नवाचार एवं किसान-केंद्रित विकास के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करता है, जो भारत के सतत एवं समृद्ध कृषि भविष्य की दिशा में मार्ग प्रशस्त करता है।

Press Note

122nd Foundation Day Celebration of ICAR-Indian Agricultural Research Institute (IARI)

April 1, 2026 | New Delhi: The ICAR-Indian Agricultural Research Institute, New Delhi, celebrated its 122nd Foundation Day on April 1, 2026, at the prestigious Dr. B.P. Pal Auditorium. The event was marked by enthusiasm, dignity, and a renewed commitment to advancing agricultural science for national development.

The occasion commemorated over a century of IARI's pioneering contributions to agricultural research, education, and extension, which have played a transformative role in ensuring India's food and nutritional security.

Delivering the welcome address, Dr. Ch. Srinivasa Rao highlighted the institute's key achievements and initiatives over the past year. He emphasized IARI's strategic vision aligned with the national goal of *Viksit Bharat 2047*, focusing on climate-resilient agriculture, digital and immersive technologies, and farmer-centric innovations. He also noted that IARI retained the 1st rank in Agriculture & Allied Sectors (NIRF 2025) for the third consecutive year, secured 2nd rank in SDGs, 24th overall, and 29th in research. The institute received A+ accreditation (3.64/4.00) from NAEAB (2025–2030) and entered the QS World Rankings 2026 (151–200 band).

The programme was graced by the Chief Guest, Rekha Gupta, who appreciated IARI's invaluable contributions to agricultural sustainability and farmers' livelihoods. In her address, she highlighted the role of IARI in developing a "Green Delhi" and ensuring water security. She emphasized on the importance of both individual responsibility and institutional efforts in addressing national challenges, particularly improvement of soil health through scientific interventions and awareness.

She also acknowledged IARI's role in supporting farmers and its contribution towards achieving the dream of a developed India while recalling the vision of Lal Bahadur Shastri regarding food self-sufficiency.

Ravinder Singh (Indraj) also extended his wishes on the occasion and encouraged collective efforts towards building a Greener Delhi and appreciated the efforts of IARI towards achieving the goal.

Dr. M. L. Jat, Secretary (DARE) & Director General, ICAR also graced the occasion as Guest of Honour. In his address, he emphasized on strengthening the collaboration between ICAR and the Delhi Government to address urban and peri-urban agricultural challenges. He suggested to look for the innovative solutions such as converting waste into fertilizer for sustainable agriculture and waste management. He also underscored the importance of human capital development and described food as "medicine," stressing the need for continued focus in this area.

Dr. Jat further stressed on the importance of awareness programmes for farmers, and advised to use DAP fertilizer judiciously in a cropping system. He noted that such informed practices could save significant costs and improve nutrient-use efficiency.

The Chief Minister also visited the exhibition showcasing technologies developed by the Pusa Institute and also released the books titled *"Improved Crop Varieties for Food, Nutrition and Livelihood Security"* and *"Precision Floriculture and Landscape Design"* during the समारोह

On this occasion, awards were conferred upon scientists, technical staff, administrative and finance personnel, as well as media representatives for their outstanding contributions during 2025–26.

The programme concluded with a vote of thanks delivered by Dr. R. N. Padaria, who expressed sincere gratitude to all dignitaries, organizers, and participants for making the event a grand success.

The event was also attended by former Directors of the ICAR–Indian Agricultural Research Institute, along with other dignitaries, staff, and students.

The 122nd Foundation Day celebration of ICAR-IARI reflected the institute's glorious legacy and reinforced its unwavering commitment to scientific excellence, innovation, and farmer-centric development, paving the way for a sustainable and prosperous agricultural future for India.

(Source: ICAR-Indian Agricultural Research Institute, New Delhi)